• कला समेकित शिक्षा की अवधारणा (Art Integrated Learning)

कला समेकित शिक्षा **अनुभवात्मक अधिगम का एक शैक्षणिक तरीका** है। कला समेकित शिक्षा की अवधारणा से तात्पर्य *अन्य विषयों के साथ कला के एकीकरण* करने से है। कला का अन्य विषयों के साथ एकीकरण का तात्पर्य है कि विभिन्न प्रकार की कलाएं जैसे दृश्य कला, प्रदर्शन कला और साहित्य कला, शिक्षण अधिगम / सीखने सिखाने की प्रक्रियाओं का एक अभिन्न अंग बनकर शिक्षण को रोचक और मजेदार बनाती है।

इसका मतलब पाठ्यक्रम को भी कला समेकित बनाएं जाने से भी है। जिसमें कला कक्षा कक्ष में सीखने का आधार बन जाती है।

अगर पाठ्यक्रम में कला का समावेश हो तो इससे विशेष रूप से **अमूर्त अवधारणाओं को स्पष्ट करने में** मदद मिलती है। कला समेकित पाठ्यक्रम में विभिन्न विषयों की विषय वस्तु को तार्किक, विद्यार्थी केंद्रित और अर्थपूर्ण तरीकों से जोड़ने के साधन प्रदान कर सकता है।

कला को केंद्र बिंदु में रखकर गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान तथा भाषाओं और उनकी अमूर्त अवधारणाओं के बीच एक संबंध स्थापित किया जा सकता है। उसे आपस में जोड़कर विषय वस्तु को प्रभावी ढंग से सीखाया जा सकता है। इस तरीके से सीखना **समग्र, आनंददायक और अनुभवात्मक** बन जाता है।

कला समेकित शिक्षा से सिखने सिखाने के तरीकों को सरल व प्रभावी बनाया जा सकता है। कला का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन कौशल और उपकरणों के रूप में उपयोग कर सकते हैं।

शिक्षार्थी कई बार अपने विचारों को मौखिक रूप में बयां नहीं कर सकते। अगर उस समय उनको अपने मनोभावों को प्रकट करने के लिए कला का सहारा देकर सिखने सिखाने की प्रक्रियाओं को बेहतर बनाया जा सकता है।

नई शिक्षा नीति 2019 में इस कला समेकित शिक्षण द्वारा शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाने के लिए ध्यान दिया गया है।

• कला समेकित शिक्षा क्या है ?

What is Art Integrated Learning ?
विभिन्न पाठ्यक्रम क्षेत्रों की विषय वस्तु के सीखने सिखाने के साथ **कला को जोड़ देना ही** कला समेकित शिक्षा है। भाषा, सामाजिक अध्ययन, विज्ञान और गणित जैसे विषयों को कला के साथ परस्पर संबंधित करने के लिए तैयार किया जा सकता है। कई बार कला बहुत सरलता से विज्ञान की अवधारणा को स्पष्ट कर सकती है। इस प्रकार विषयों की **अमूर्त अवधारणाओं को विभिन्न कला रूपों का उपयोग** करके समझने में आसान और मूर्त रूप दिया जा सकता है। सीखने के इस तरीके से विषय के बारे में ज्ञान और समझ को बढ़ाने में मदद मिलती है और यह कला का मूल्यांकन करने को भी बढ़ावा देता है। इसे ही समग्र या संपूर्ण शिक्षण कहा जाता है।
यदि हमारे विद्यालय में सीखने सिखाने की प्रक्रिया में कला समेकित शिक्षा का समावेश हो जाए तो यह न सिर्फ बच्चों के लिए रुचिकर होगा बल्कि शिक्षक शिक्षिकाओं के लिए भी उनकी कक्षा बाल केंद्रित व आनंददायक बन जाएगी।
कला अभिव्यक्ति के लिए एक भाषा प्रदान करती है। यह अभिव्यक्ति कला के दृश्य (पेंटिंग, फोटोग्राफी, मूर्तिकला) या प्रदर्शन रूप (नृत्य, संगीत, रंगमंच, जादू का प्रर्दशन) में हो सकती है।

कला शिक्षा वह प्रक्रिया है जो संवेदी भावों को बढ़ावा देती है। यह उन अभिव्यक्तियों के सृजन हेतु विचारों और सामग्रियों के साथ काम करने का एक मंच प्रदान करती है जिन्हें केवल शब्दों द्वारा व्यक्त नहीं किया जा सकता। यह **गैर मौखिक अभिव्यक्ति** (जिसे हम बोलकर नहीं समझा सकते) को बाहर आने के लिए प्रोत्साहित करती है। चाहे वह गीत के रूप में हो या फिर पेंटिंग या प्रदर्शन के रूप में।

• कला शिक्षा और कला समेकित शिक्षा में क्या अंतर है

What is the difference between art education and art integrated education

कला शिक्षा वह प्रक्रिया है जो संवेदी भावों को बढ़ावा देती है। यह उन अभिव्यक्तियों के सृजन हेतु विचारों और सामग्रियों के साथ काम करने का एक मंच प्रदान करती है जिन्हें केवल शब्दों द्वारा व्यक्त नहीं किया जा सकता। यह **गैर मौखिक अभिव्यक्ति** (जिसे हम बोलकर नहीं समझा सकते) को बाहर आने के लिए प्रोत्साहित करती है। चाहे वह गीत के रूप में हो या फिर पेंटिंग या प्रदर्शन के रूप में।

कला समेकित शिक्षा में कला को पाठ्यक्रम का मुख्य हिस्सा बनाते हुए काम किया जाता हैं। विभिन्न कला रूपों का उपयोग करके विषय वस्तु की अमूर्त अवधारणाओं का पता लगाया जा सकता है। कला समेकित कक्षाएं सीखने के ऐसे अनुभव प्रदान करती जिससे सीखने वाले का मन और शरीर उससे जुड़ जाता है। इस तरह कलाएं बच्चों को कई तरह के कौशल और क्षमताओं का उपयोग करने में सक्षम बनाती है।

• सीखने की प्रक्रिया को समग्र और अनुभवात्मक बनाने में कला की क्या भूमिका हो सकती है ?

कला के विभिन्न रूपों से जुड़ते हुए विद्यार्थी विभिन्न चरणों से गुजरते हैं। जैसे कि अवलोकन करना, विचार करना, कल्पना करना, खोज करना, प्रयोग करना, तर्क द्वारा निर्णय पर पहुंचना, सृजन करना और व्यक्त करना।

इन चरणों के लिए निम्न तीन क्षेत्रों की वास्तविक भागीदारी की आवश्यकता होती है १. संज्ञानात्मक २. मनो-प्रेरणा और भावात्मक। यह स्वरूप में प्रयोगात्मक है और प्रत्येक शिक्षार्थी का समग्र विकास करने में मदद करती है इस तरह के अनुभवात्मक शिक्षण की वजह से इनके द्वारा अन्य विषयों में बेहतर ढंग से शिक्षण दिया जा सकता है। कला इसमें एक तरह से आधार का काम करती है।

- **कला एकीकरण शिक्षण सीखने के प्रतिफल को प्राप्त करने में कैसे मदद करता है ?**

कला समेकन एक साथ तीन क्षेत्रों संज्ञानात्मक, मनो-प्रेरणा और भावात्मक पर असर डालती है जो योग्यता आधारित शिक्षण और क्षमता आधारित सीखने के प्रतिफलों की शैक्षणिक आवश्यकता को पूरा करता है।

- **कला समेकित अधिगम को सीखने का आनंददायक तरीका क्यों माना जाता है ?**

कलाएं किसी भी कल्पना और विचारों की अभिव्यक्ति का स्वाभाविक माध्यम होती है। इनके माध्यम से हर शिक्षार्थी को अद्वितीय और अलग पहचान रखने की आजादी होती है। स्कूल के स्तर पर शिक्षण शास्त्र के रूप में कला समेकित शिक्षा बिना इस बात की चिंता किए कि उनका कार्य कैसा होगा और दूसरे उनके बारे में क्या सोचेंगे, हर शिक्षार्थी को नई चीज के बारे में जानने अनुभव करने और व्यक्त करने के लिए रचनात्मक स्थान प्रदान करता है।

इसमें सीखने वाले को कला को एक प्रक्रिया के रूप में अनभव करने और परिणाम की चिंता नहीं करने के लिए

• कला समेकित अधिगम को सीखने का आनंददायक तरीका क्यों माना जाता है ?

कलाएं किसी भी कल्पना और विचारों की अभिव्यक्ति का स्वाभाविक माध्यम होती है। इनके माध्यम से हर शिक्षार्थी को अद्वितीय और अलग पहचान रखने की आजादी होती है। स्कूल के स्तर पर शिक्षण शास्त्र के रूप में कला समेकित शिक्षा बिना इस बात की चिंता किए कि उनका कार्य कैसा होगा और दूसरे उनके बारे में क्या सोचेंगे, हर शिक्षार्थी को नई चीज के बारे में जानने अनुभव करने और व्यक्त करने के लिए रचनात्मक स्थान प्रदान करता है।

इसमें सीखने वाले को कला को एक प्रक्रिया के रूप में अनुभव करने और परिणाम की चिंता नहीं करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। जिससे उन्हें विषय से जुड़े भय को दूर करने में मदद मिलती है और करने व सीखने की उनकी खुशी में बढ़ोतरी होती है। कलाएं विविधताओं पर भी चर्चा करती है और प्रत्येक शिक्षार्थी को अभिव्यक्ति के वैकल्पिक साधन प्रदान करती है। जहां वे परिणाम के दबावों के बिना किसी विषय को अधिक गहराई से खोज सकते हैं और अनुभव कर सकते हैं इसके कारण शिक्षण आनंद में बन जाता है।

• कला समेकित अधिगम शिक्षा के समावेशी ढांचे में कैसे सहायक है ?

कला का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कि इसमें कोई सही या गलत उत्तर नहीं होता है। ज्ञान को अनुभवात्मक तरीके से प्राप्त किया जाता है। शिक्षित से अशिक्षित, विशेष आवश्यकता समूह से सामान्य या लड़कियों से लड़कों की कला के काम में अंतर करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि कला स्वयं की अभिव्यक्ति है। यह वंचितों को कला से जुड़े कार्यों के माध्यम से अपने मन की भावनाओं को व्यक्त करने में मदद करती है। इसी तरह जो लोग ऐसे समुदाय से संबंध रखते हैं जिन्हें सामाजिक बहिष्कार का शिकार होना पड़ता है, वे कक्षा के अन्य लोगों के साथ आसानी से काम कर सकते हैं, क्योंकि कला एक ऐसी यात्रा है जिसमें किसी के पास भी सारे जवाब नहीं होते। कला से जुड़ी गतिविधियां बच्चों को एक दूसरे के साथ जुड़ने में मदद करती है ताकि धीरे-धीरे बाधाएं टूट सके और विभिन्न पृष्ठभूमि से संबंधित बच्चे आपस में संवाद कर सके।

• कला समेकित शिक्षा का उद्देश्य

Objective of Art integrated Learning

1. कला समेकित शिक्षा का उद्देश्य कला को शिक्षण का माध्यम कैसे बनाया जाए और प्रत्येक बच्चे के सीखने और समग्र विकास पर इनके प्रभाव को कैसे समझा जाए।

2. बच्चे की रचनात्मक अभिव्यक्ति का पता लगाने के माध्यम के रूप में कला अनुभवों (विभिन्न कला रूपों का) प्रयोग करना।